एयर इंडिया के कॉकपिट में फिर सवार टाटा

18,000 करोड़ रुपये की बोली लगाकर टाटा समूह ने एयर इंडिया को फिर से अपने पाले में कर लिया

सिद्धार्थ ओझा और अमित भट्टाचार्य
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर

टाटा संस घरेलू नागरिक विमान सेवा की विमानन कंपनी एयर इंडिया और उसकी सहायक इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस तथा सार्वजनिक इकाई एयरलाइन्स इंडिया लिमिटेड में 53 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सरकार बोलीदाता के रूप में सामने आई है। एयर इंडिया करीब 60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के घाटे में है। टाटा ने एयर इंडिया के लिए 18,000 करोड़ रुपये की बोली लगाई है, जिसमें से 15,300 करोड़ रुपये कर्ज है और 2,700 करोड़ रुपये नकद भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा 31.42 फीसदी यात्री हवाईअड्डा सिटी के यूनिट के लिए भी 4,185 करोड़ रुपये की देनदारी चुकानी।

दूसरी बोलीदाता स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह की अगुवाई वाले कंसोर्टियम ने 15,100 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। इसमें से 12,835 करोड़ रुपये कर्ज लेने का इरादा था और 2,265 करोड़ रुपये नकद भुगतान करने की पेशकश की गई थी। सरकार ने एयर इंडिया की आरक्षित कीमत 12,906 करोड़ रुपये तय की थी।

निवेशकों ने इसे दोनों पक्षों के लिए सुखद का सौदा करार दिया है। टाटा संस पहले से ही दो विमानन कंपनियों- विस्तारा और एयर एशिया इंडिया का परिचालन कर रही है और इस सौदे से वह करीब 27 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ घरेलू बाजार में दूसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी की बादशाह बड़ी कंपनी होगी। सूत्रों ने कहा कि टाटा की योजना एयर इंडिया के परिचालन को विस्तार के साथ एकीकृत कर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा विमानन कंपनी बनाने की है और एयर इंडिया एक्सप्रेस का एयर एशिया इंडिया के साथ विलय किया जाएगा। एयर इंडिया के पास अमृतसर हवाईअड्डे पर 2,466 फीसदी एवं 2,738 अंतरराष्ट्रीय स्लॉट हैं। सरकारी के 'आत्मनिर्भर एक्शन' ने कहा, "सुरक्षाजनी भारत में पेशकर्मी का पुनर्गठन किया जाएगा, साथ विस्तारा, एयर एशिया इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया एक्स-सुरक्षा में प्रतिस्पर्धी न हो कोशिश एक-सुरक्षा के परिचालनों पर उसकी टिकटों की बिक्री हो सके। टाटा समूह की विमानन कंपनी के लिए एक सुरक्षा ऐप बनाने की भी योजना है।'

सरकार ने एयर इंडिया का परिचालन वर्ष 1953 के लिए 2001-10 में 54,584 करोड़ रुपये नकद लगा चुकी है और 10,692 करोड़ रुपये की गारंटी बनाई थी है, जो कुल मिलाकर 1,10,276 करोड़ रुपये है। इसके बावजूद एयर इंडिया सुरक्षित में नहीं आ सकी। दीपम के सचिव तुहिन कांत पांडे ने कहा कि अनुमान के मुताबिक एयर इंडिया पर सरकार का 31 मार्च 420 करोड़ रुपये बकाया होगा है और उसका रिजर्व फंड करीब 30 करोड़ रुपये का है।

टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा, "एयर इंडिया के लिए बोली जीतना टाटा समूह के लिए अच्छी खबर है।" उन्होंने कहा कि एयर इंडिया को घाटे पर लाने के लिए काफी प्रयास करने होंगे और यह विमानन क्षेत्र पर टाटा समूह की विमानन उद्योग में मजबूत बाजार अवसर उपलब्ध कराएगी।

यह विशेष उद्देश्यीय कंपनी एयर इंडिया का कर्ज हस्तांतरित करने के लिए ही बनी है। भारत विमानन सचिव प्रवीण खरे ने कहा कि टाटा एयर वर्क तक सभी कर्मचारियों को रखेगी। दूसरी कर्मों की सुरक्षा से यदि कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी तो उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का लाभ दिया जाएगा। एयर इंडिया में 12,085 कर्मचारी हैं।

विकसित देशों के रिटेल विमान के निदेशक और इस्पात रिटेल के प्रमुख विनुल शर्मा ने कहा, "एयर इंडिया के पास बेहतरीन मौका है लेकिन भारी कर्जों के कारण उसे मुश्किलों हुआ। भारत में विमानन बाजार तेजी से बढ़ रहा है और कोविड के बाद उसमें मजबूत सुधार होगा। टाटा समूह के पास विस्तार और एयर एशिया का अनुभव है। मेरे मे आशा होगा यह इसे मजबूत और लाभप्रद की दृष्टि से बेहतर बनाकर मुकाबला कर सकेगा।'

"कर्ज में डूबी एयर इंडिया को पटरी पर लाने के लिए काफी प्रयासों की जरूरत होगी लेकिन यह जरूर है कि टाटा समूह की विमानन उद्योग में मौजूदगी को यह मजबूत बाजार अवसर उपलब्ध कराएगी।"

रतन टाटा
चेयरमैन, टाटा संस

अजय मोहंती

"एयर इंडिया की टाटा समूह में वापसी विमानन कंपनी के लिए एक नई सुबह का प्रतीक है। नए प्रबंधन को मेरी शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि विमानन कंपनी अपने सफल संचालन के जरिये लोगों को कनेक्ट रखने के अपने मिशन को जारी रखेगी।"

ज्योतिरादित्य सिंधिया
नागरिक उड्डयन मंत्री

एयर इंडिया सौदा...

एयर इंडिया के लिए सरकार द्वारा तय आरक्षित मूल्य : **12,906** करोड़ रुपये

टाटा ने एयर इंडिया के लिए बिलने की बोली लगाई : **18,000** करोड़ रुपये

अधिग्रहण के लिए टाटा देगी नकद : **2,700** करोड़ रुपये

एयर इंडिया का विमान कर्ज लेगी : **15,300** करोड़ रुपये

अजय सिंह के कंसोर्टियम की बोली : **15,100** करोड़ रुपये

कंसोर्टियम ने बिलने नकद की पेशकश की : **2,265** करोड़ रुपये

कंसोर्टियम ने विमान कर्ज लेने का इरादा जताया : **12,835** करोड़ रुपये

सरकार के पास कंपनी का विमान कर्ज बकाया : **46,262** करोड़ रुपये

एयर इंडिया का रोजाना घाटा : **20** करोड़ रुपये

सौदा अब तक पूरा होगा : दिसंबर के अंत तक

टाटा की वापसी : एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का पूर्ण स्वामित्व, जबकि विनिवेश इकाई एयर इंडिया हवाईअड्डा की 50 फीसदी हिस्सेदारी। टाटा समूह की प्रतिष्ठित कंपनी का स्वामित्व, 1932 विमानों का बेड़ा, आकर्षक सर्विस और 'इंडियन अधिकार' विरासत। जिस वर्ष 2020 में सरकार ने एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की हिस्सेदारी 76 फीसदी की।